Seventeenth Loksabha

>

Title: Request for inclusion of bank employees in 'Frontline Workers' and priory be given in vaccination.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने के लिए मौका दिया, उसके लिए आपको धन्यवाद । मैं सरकार का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ आकृष्ट करना चाहूंगा, जो बैंक कर्मचारियों से संबंधित है । आज कोरोना के लिए लगे लॉकडाउन को एक वर्ष पूरा हो गया है । हम इस लॉकडाउन के समय स्वास्थ्य कर्मचारियों और फ्रंट लाइन वर्कर्स का आभार व्यक्त करते हैं, लेकिन हम इसमें बैंक कर्मचारियों का योगदान भूल जाते हैं, जिन्होंने लॉकडाउन में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बंद रहते हुए भी कार्य किया । हमारे देश में अभी 12 पब्लिक सेक्टर बैंक्स हैं, 22 प्राइवेट सेक्टर बैंक्स हैं, 44 फॉरेन बैंक्स हैं, 56 रीजनल रूरल बैंक्स हैं और 1 लाख के ऊपर कोऑपरेटिव बैंक्स हैं, जिनमें 15 लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं, उसमें बैंक कर्मचारी, क्लर्क्स और पियोन्स शामिल हैं । ऐसी विषम परिस्थिति में जब अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, उस समय बैंक कर्मचारियों ने देश की अर्थव्यवस्था को बल देने का काम किया था और पूरी निष्ठा के साथ सरकार की सभी योजनाओं का कार्यान्वयन करने में व्यापक भूमिका निभाई थी । कोरोना महामारी में कई बैंक कर्मचारी संक्रमित हुए और कुछ कर्मचारियों की मृत्यु भी हो गई । आज बहुत सारे बैंक यूनियन, कर्मचारी यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें फ्रंट लाइन वर्कर्स की परिभाषा में समाविष्ट किया जाए और उन्हें वैक्सीनेशन ड्राइव में प्रायोरिटी दी जाए, जिससे सभी बैंक कर्मचारियों का वैक्सीनेशन हो पाए । इस प्रकार हम उन सभी के कार्यों के लिए आभार प्रकट कर सकते हैं ।

माननीय सभापति : डॉ. भारतीबेन डी. श्याल – उपस्थिति नहीं ।

श्री दिनेश चन्द्र यादव जी ।